



# **PRESS COVERAGE**

**Modi College  
Celebrated  
Punjabi week with  
winners of  
Sahit Academy  
Yuva-Pursukar**

**26.11.2021**

**CHANDIGARH Tribune**

CHANDIGARH | SATURDAY | 27 NOVEMBER 2021

## Modi College celebrates Punjabi Week with poets

PATIALA, NOVEMBER 26

The Postgraduate Department of Punjabi, Multani Mal Modi College, organised a discussion with Sahitya Akademi award winner Punjabi poets to celebrate 'Punjabi month' and to engage students with new trends in Punjabi poetry

Dr Gurdeep Singh, head, Department of Punjabi, formally introduced poets Ranjeet Sarawali and Prof Deepak Dhalewa. He said each era of poetry was product of its times. These two collections of poetry, 'Pani Utte Meenakaari' and 'Malaha toh Bina' were evidence of this fact, he added.

College Principal Dr Khushvinder Kumar welcomed the poets. He said as a literary art the poetry of their times was passing through an existential crisis because of its disassociation with the ground realities of their land.

Addressing students, Ranjeet Sarawali discussed his life

events and inspiration behind becoming a poet. He said for becoming a good writer one must pass through the inevitable pain of hard work and endless experiences of struggling with adversity. He motivated students to engage with the socio-political conditions and issues of society to make their writings truthful and realistic. He also shared some of his poems from his collection, including 'Pani utte meenakari'.

While interacting with students Prof Deepak Dhalewa spoke about the process of his poetic journey. He said sensitivity and intelligence were important for a poet. A good poet must understand the meter, symbolism, context and the form of his poems, he added. He also discussed the significance of a rhythmic tone and ability of the poet to impact all senses of readers or listeners. — TNS



[www.dainiksaveratimes.com](http://www.dainiksaveratimes.com)  
जालंधर, शनिवार, 27 नवम्बर 2021

## मोदी कालेज में पंजाबी माह अंतर्गत साहित्य अकादमी ने विजेता कवियों से करवाया रूबरू

पटियाला, 26 नवंबर (धीर) : मुल्तानी मल मोदी कालेज, पटियाला की तरफ से आज कालेज प्रिंसीपल डा. खुशविन्दर कुमार की अगुवाई में कालेज के पोस्ट ग्रेजुएट पंजाबी विभाग की तरफ से पंजाबी भाषा को समर्पित प्रोग्रामो की कड़ी के अंतर्गत 'पंजाबी माह अधीन भारतीय साहित्य अकादमी द्वारा युवा पुरस्कार के साथ सम्मानित पंजाबी कवियों रणजीत सरावाली और प्रो. दीपक धलेवा के साथ रूबरू करवाया गया। इस समागम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पंजाबी के काव्य क्षेत्र में चर्चित नए कवियों के साथ रूबरू करवाना और उनकी कविताओं पर विचारों का आदान प्रदान करना था।

कालेज प्रिंसीपल डा. खुशविन्दर कुमार ने इन कवियों का स्वागत करते कहा कि मौजूदा दौर में कविता लेखन की विधा के तौर पर गहरे संकट में से गुजर रही है, जिसका मुख्य कारण इसकी विचारधारा में स्थानीय मसलों



कवियों को पुरस्कृत करते कालेज प्रिंसीपल और अन्य गणमान्य।

का नदारद होना है। उन्होंने इस बात पर चिंता प्रकट की कि पंजाब में भी पंजाबी भाषा को बचाने के लिए 'पंजाबी माह' मनाया पड़ रहा है। कालेज के पंजाबी विभाग के प्रमुख डा. गुरदीप सिंह ने इन दोनों कवियों की कविता में मौजूद नए बिंबों, चिह्नों और सूचकों के बारे में चर्चा शुरू करते कहा कि हर नए दौर की कविता का रंग रूप उस दौर के अलग-अलग घटनाक्रमों की बनावट होता है।

इस समागम में विद्यार्थियों को संबोधित करते कवि रणजीत सरावाली ने अपनी जीवन यात्रा, कवि बनने की प्रेरणा और अपने काव्य संग्रह 'पानी उठे मीनाकारी' का सृजन करने की प्रक्रिया बारे बोलते कहा कि सृजन करने के लिए निरंतर अध्ययन, अभ्यास और अनुभवों में से गुजरने की जरूरत पड़ती है जो कि बहुती बार तकलीफदेह होती है। उन्होंने कहा कि एक इमानदार कवि के लिए जरूरी

है कि वह आस-पास घट रहे घटनाक्रमों से लापरवाह न रहे।

अपनी बहुचर्चित किताब 'मल्लाहा तो बिना' के लिए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार प्राप्त कवि दीपक धलेवा ने कहा कि एक गीतकार के लिए संवेदना और बौद्धिकता के साथ-साथ छंद, वजन और काफ़ीए की समझ होनी भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि भाषा में निपुणता के साथ-साथ काव्य-उच्चारण में महारत और संचार के ढंगों की जानकारी श्रोताओं और पाठकों के साथ एक रचनात्मक संवाद का सृजन कर सकती है। इस समागम में स्टेज प्रबंधन की जिम्मेदारी पंजाबी विभाग के डा. दविन्दर सिंह ने कुशलता के साथ निभाई। इस मौके पर धन्यवाद का मता पंजाबी विभाग के डा. मनजीत कौर ने पेश किया। समागम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और अध्यापकों ने पेश की कविताओं बारे हुई विचार चर्चा में हिस्सा लिया।